

2019

દા.રજા-6- વિષય:- સામાજિક વિજ્ઞાન
Sem-II

7

Date:-

①

12/11/19

PART-A

Answer Sheet.

પ્રશ્ન-1	સુબલે	C	પ્રશ્ન:- 31	હાલો દુકાન	A
2	પુરોહિતી	B	32	દો	B
3	જાદીયા	B	33	18	B
4	સુકલ	C	34	મહા સુવિદ્યા	C
5	જામદા	B	35	આર્યમટ્ટ	B
6	ઉપુકા કરિલંદ	A	36	સમુદ્રગુપ્ત	B
7	આખા	A	37	સંસ્કૃત	B
8	સાકરણ	B	38	સાત	B
9	મગદ	B	39	સુમેધુ જ્યોતિ	B
10	રાણ વખત	A	40	પેંડિવલ ભૂમિ	A
11	સરપંચ	B			
12	ગામ સચિવાલય	A			
13	ખેડા	A			
14	વડોદરા	B			
15	આણંદ	A			
16	પુણમ	A			
17	મ્યુનિસિપલ કમિશનર	A			
18	વિધાનક	B			
19	લુમ્બિની	A			
20	24 મી	C			
21	યશોદા	A			
22	ગુજરાતી	C			
23	નવરાત્રિ	B			
24	હડો	C			
25	સંદગુપ્ત માટે	A			
26	ગુનાગઠ	B			
27	ગુદ્દ	B			
28	વાવાજોડુ	A			
29	જે	A			
30	દાયાનંદ	C			

(3) कर्दिसा, सारस, लङ्गमय्य, अस्तौष्य (बयोधी न करवा) અને આપરિગ્રહ, લસંગ્રહ ન કરવા) એ પાંચ મહાપ્રાણેં દરેકે પાલન કર્યું.

(2) સમ્રાટ અશોકે શાબા દેર્મોપદેશક જાણી ગયો ?

જવાબ:- કલિંગ લઢડીસાગની મુદ્દામૂર્તિ પર બપેલો લોહિયાળો કાચા કાંડ બેઠીને સમ્રાટ અશોકેનું કુદરત પરિવર્તન બાબત અને તે દેર્મોપદેશક જાણી ગયો.

(3) મહાપાષાણ કુલશે જાનાવવાની પ્રથા ક્યારે શરૂ થઈ હતી? એ કુલશેના અવશેષો ક્યાંથી મળી આવ્યા છે?

જવાબ:- મહાપાષાણ કુલશે જાનાવવાની પ્રથા આશરે 3000 વર્ષ પહેલાં શરૂ થઈ હતી. એ કુલશેના અવશેષો કલિંગના ભારત અને ઉત્તર-પૂર્વ ભારતમાંથી મળી આવ્યા છે.

(4) વલ્લિજસંઘ ગુજરાતમાંની સ્થાપના શ્વેત શરે કરવામાં આવી? તેનું મુખ્ય સ્થાન કયું હતું ?

જવાબ:- રાજતંગી મહારાજ્યમાં પોતાની સત્તા વર્ધીતીને સામ્રાજ્ય સ્થાપવા મહાન્યાકાંડી જાણ્યાં હતાં. આ સંમેલોમાં સિદ્ધના, વલ્લિજ, શાતુક, વિદેહ, શાક્ય, મલ્લ વગેરે શાક કે બધા જાતિના લોકોએ પોતાના રક્તપુત્ર શરે વલ્લિજસંઘ ગુજરાતમાંની સ્થાપના કરી. તેનું મુખ્ય સ્થાન વૈશાલી હતું.

(5) 'શકારિ' નું વિસ્તૃત કોણે વિકસણ કર્યું હતું? શ્વેત શરે ?

જવાબ:- સમ્રાટ ચંદ્રગુપ્ત લોકમતે 'શકારિ' વિસ્તૃત વિકસણ કર્યું હતું. સમ્રાટ ચંદ્રગુપ્ત લોકમતે તેના રાજ્યમાં સરહદે આવેલા શક ક્ષત્રિય વંશના રાજ્ય ઉપર વિજય મેળવ્યો હતો. એ વિજયની શરૂઆત તેણે 'શકારિ' વિસ્તૃત વિકસણ કર્યું હતું.

(6) ટુંકનાર્થે લખો. લોકો તે શ્વેત (03)

(1) ગૌતમ બુદ્ધ :-

જવાબ:- ગૌતમ બુદ્ધ જાદુઈકર્તા સ્થાપક હતા. તેમને જન્મ આશરે 2500 વર્ષ પહેલાં હિમાલય પર્વતની તલેટીમાં કપિલવસ્તુ નગરના મલ્લો આવેલા લુમ્બિની વનમાં થયો હતો. તેમનું જાલપુત્રનું નામ સિદ્ધાર્થ હતું. તેમના પિતાનું નામ સુદ્ધોશન અને માતાનું નામ માયાદેવી હતું. તેમની પત્નીનું નામ યશોદેવી અને પુત્રનું નામ શરૂલ હતું. સિદ્ધાર્થ કપિલ્ય હતા. તેમને શક્ય

समग्र मानवजाति को ब्रह्म का चिह्न प्राप्त हुआ, जो मंत्रों के
 पठन से ही तब करीब ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त होगा। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त होगा। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त होगा। तब ही

दशम शतक में ब्रह्मचर्य की शक्ति प्राप्त हुई।
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही

(2) शतक :- शतक का अर्थ है तब ही। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही
 तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही

(1) तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही

(1) तब ही यह ज्ञान प्राप्त हुआ। तब ही

बूना लजावने पुरता डिडा लजावने वरु पाणी संशुद्ध करी शक्य, तेवा लजाववा. (2) लुगाम-जलमा वरीरो करवा आरे नंगलो डिडावा मेरमे. (3) डिडावा लजावला पाणीने रिसावडिल करी वापरी शक्य ते आरे साव्हिड प्लान्ट जाववा मेरमे. जेवा पाणीने लजाव आरे (4) पाणीने विवेकपूर्वक उपयोग करवा मेरमे.

(2) आत्मशास्त्रय कीरते शुं ?

ज्याला- ने विस्तारमां पशु-पक्षांकी, निर्मथताया रही शके, तेमनु संवर्धन करी शके अनी तेमना शिक्षण पर प्रतिबंध डीप तेने 'आत्मशास्त्रय' करेवामां आवे हे.

(3) कुश्शातना आदिवासी विस्तारमां हर अडवाडिरी लशता मेलाणे शुं करे हे? त्यां करी करी मेला लशथ हे ?

ज्याला- कुश्शातना आदिवासी विस्तारमां हर अडवाडिरी लशता, मेलाणे 'डार' करे हे. तेमां करीर डार, डार डिपुड डार, पानवड डार नामना मेला भुणोता हे.

(4) भागवसहित आपत्तिकां नाम आवे ?

ज्याला- (1) आला (2) कौवेगिड अडरमात (3) युंयु (4) हुल्लड अने (5) कोरुन विस्कीर

(5) न्यू-जीलेन्ड ने 'इडिपुगनुं वीरकिरना' केम करे हे ?

ज्याला- न्यूजीलेन्ड नी आलोडवा वीलेन्ड नी आलोडवानी अलता आवती होवामा तेने 'इडिपुगनुं वीरकिरना' करे हे.

(6) टूकनोर्थ लामो. लामे ते अके ?

(1) कुश्शातमां उन्ववाता लहेवारी अने उत्सवो! - (103)

ज्याला- कुश्शातमां प्रेशे अने अति अनुसार कुश्शातमां झुगा उत्सवो-सुवेवारी उक्ववामां आवे हे. नवरात्रि, डोली, कुलेरी, नन्गाएमी, गुरीश अतुर्वा, शिवाजी, शीकांकेन, पुरुपुण, शमडान ही, पुरुगानड कंती, लकरी ही, पतेला, गालाल जेवा उत्सवो उक्ववामां आवे हे. कुश्शातमां लहेवारीनी शरुवात अनन्नाप्राणिया पाथ हे. गोरीया जेवा लहेवारीनुं झुगुं महत्त्व हे शमडान भासमां पूण उत्सव जेवा आडोव डीप हे. आडो गालालने लहेवार सर्व र्थना लारीने सावे अलीने उक्ववे हे.

कुश्शातमां डिआपुग पूण न उत्सवो उक्ववामां आवे हे. कुश्शातना भाभ्य विस्तारमा लव शहेरीमां डिआपुग पूण न उत्सवो उक्ववा हे.

भारत इतिहास में लोको संचालन का प्रथम प्रयास अंगरेजों पर अड़ी नाम है. बांगुं वातावरण को प्रयोग करने का प्रथम प्रयास अड़ी नाम है. आ विचारों सामिल भवा इति - विदेशी लोको संचालन है. लोको संचालन इतिहास में प्रथम प्रयास अड़ी नाम है. लोको संचालन इतिहास में प्रथम प्रयास अड़ी नाम है. लोको संचालन इतिहास में प्रथम प्रयास अड़ी नाम है.

(2) लोको संचालन का इतिहास :-
 आंगरेजों को लोको संचालन विचारों को लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है :-

- (1) लोको संचालन का प्रथम प्रयास
- (2) लोको संचालन का प्रथम प्रयास
- (3) लोको संचालन का प्रथम प्रयास
- (4) लोको संचालन का प्रथम प्रयास

लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है.

लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है. लोको संचालन का इतिहास अड़ी नाम है.

(1) लोको संचालन का प्रथम प्रयास अड़ी नाम है.

(2) लोको संचालन का प्रथम प्रयास अड़ी नाम है.

(3) लोको संचालन का प्रथम प्रयास अड़ी नाम है.

(4) लोको संचालन का प्रथम प्रयास अड़ी नाम है.

प्रश्न-4 केंद्र-ले वास्तविक ज्ञान लाभ. (कोनो न चर) (08)

(1) समाजिक कल्याण न्याय आपल्यातुं काम करी-कर संस्थाकें करे हे ?

ज्याला- सामाजिक न्याय-समिति चने लोक-सहायता समाजिक कल्याण न्याय आपल्यातुं काम करे हे.

(2) जिल्हा पंचायतना वहीवरी वडा कया नामे कोलनाय करे ?

ज्याला- जिल्हा पंचायतना वहीवरी वडा 'जिल्हा विकास कार्यावली' ना नामे कोलनाय हे.

(3) जागरिकना भूलाभूत हके कया कया हे ?

ज्याला- जागरिकना भूलाभूत हके = (1) समानताणे हके (2) स्वतंत्रताणे हके (3) वैभिक स्वतंत्र्यणे हके (4) शोषण सामे विरोधणे हके (5) सांस्कृतिक चणे शैक्षणिक हके चणे (6) लंकेशुगीय विसाळणेणे हके.

(4) कोर तमाणे हके हीनवी ले ती, तणे कया हकेणे विषयणे करणे ?

ज्याला- आपुणे हकेणे रक्षण करवा चारे लंकेशुगे आपुणेणे लंकेशुगीय विसाळणेणे हके आपुणे हे. को कोर तमाणे हके हीनवी ले ती हं लंकेशुगीय विसाळणा हके मुळज चारे हकेणे रक्षण चारे वडी सहायता (ए.ए.डी) चारे हके चणे.

(5) वेरो लखाणे न आवे, ती आपुणेणे शी शी अगवडा पडे ?

ज्याला- वेरो लखाणे न आवे तो सरकार हेराणे वहीवर चलावी चके गरि. हेराणे लोकणे कल्याण चणे रक्षण चारेणे चणेणे चणेणे वणे गरि. आपुणेणे शिक्षण, आरोग्य संस्थाणे, परिवहन, वाळणी चणेणे अगवडा चणे गरि. हेराणे विकास चरकी पडे.